हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 34 .6 डिग्री
न्यूनतम 20 .8 डिग्री

11 अनाजमंडी में रामलीला शुरू, श्रवण कुमार व चंपक-चमेली नाटक ने बांधा समां



12 अनाजमंडी ढाई लाख क्विंटल से अधिक बाजरा पहुंचा, लिफ्टिंग धीमी, किसानों को 2450 तक मिले दाम



खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न मामले में आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को परेशान करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत के आधार दोनों पक्षों के बीच राजीनामा कराने के प्रयास किए थे। बार-बार काउंसलिंग के बाद भी उनमें समझौता नहीं हुआ, तो पुलिस ने गत 17 सितंबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद गुरुग्राम के गढ़ी निवासी अरविंद को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

पोक्सो एक्ट के तहत एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना शहर पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर यौन शोषण का शिकार बनाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर 16 अगस्त को पोक्सो एक्ट सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़िता का सिविल अस्पताल से मेडिकल कराया गया था। केस दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक काबू

बावल। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद वाहन सहित फरार हुए एक टैंपो चालक को गिरफ्तार किया है। कसोला चौक के पास सितंबर माह में टैंपो की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया था। हादसे के बाद चालक टैंपो सहित फरार हो गया था। पुलिस ने घायल के बयान पर 2 सितंबर को केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में रेवाड़ी के सैनी मोहल्ला कुतुबपुर निवासी दीपक को गिरफ्तार कर लिया। उसका टैंपो भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

समाधान शिविर में पहुंची तीन गांवों में अवैध कब्जों की शिकायत

रेवाड़ी। सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में एडीसी राहुल मोदी ने एसडीएम दलबीर सिंह सहित अन्य अधिकारियों के साथ आमजन की शिकायतें सुनीं। समाधान शिविर में गांव ढाणी जाटूसाना में रास्ते पर अवैध कब्जे, गांव निगानियावास में अवैध कब्जे, गांव रतनथल में अवैध कब्जे व गांव बोलनी में जोहड़ की सफाई न होने की शिकायत पर एडीसी ने अधिकारियों को समस्याओं का समाधान कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा पेंशन, परिवार पहचान पत्र, बिजली और पुलिस सहित अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें आईं। इनमें से अधिकतर शिकायतों का मौके पर निवारण किया गया। वहीं लंबित शिकायतों के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को जल्द समाधान करवाने के निर्देश दिए। सीटीएम जितेंद्र कुमार व डीएसपी संजीव बल्हारा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तेज हवाओं के साथ हल्की बरसात, रात के तापमान में आई गिरावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गत रविवार की रात अचानक मौसम में बदलाव आया। तेज हवाओं के बाद मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया। सुबह के समय जिले में हल्की बरसात हुई। रात का पारा गिरने से सुबह मौसम ठंडा बना, लेकिन आसमान साफ होते ही दिन का तापमान बढ़ गया। मौसम अगले कुछ दिनों तक इसी तरह का बना रह सकता है। सोमवार तड़के तेज हवाओं के साथ हल्की बरसात हुई। इसके बाद आसमान पूरी तरह साफ हो गया। सूरज की तपिश ने मौसम का मिजाज दिन में गर्म बनाए रखा। अधिकतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 34.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री की कमी के साथ 20.8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। हवा में नमी का स्तर 55 प्रतिशत तक रहा, जबकि दिन के समय 12 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। दिन के समय तेज धूप के बाद मौसम गर्म बना रहा। शाम के समय एक बार फिर बादल गहराने के बाद बारिश के आसार नजर आने लगे। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिल रहा है। एक-दो दिन मौसम साफ रहने के बाद एक बार फिर बदलाव आ सकता है। बारिश की अभी भी संभावना बनी हुई है। दो से तीन दिन तक दिन का पारा चढ़ सकता है, परंतु इसके बाद इसमें गिरावट आएगी।



रेवाड़ी। सरसों बिजाई के लिए फव्वारों से सिंचित की जा रही जमीन। फोटो : हरिभूमि

■ कुछ दिन तक परिवर्तनशील बना रह सकता है मौसम, किसानों को अच्छी बारिश होने का इंतजार

किसानों को फसल बिजाई से बचना चाहिए

सरसों की बिजाई का समय आ गया है। किसानों को फसल बिजाई के लिए जमीन का फव्वारों से प्लाव करना पड़ रहा है। फसल बिजाई के लायक जमीन में नमी नहीं है। अगर इस समय अच्छी बारिश होती है, तो इससे किसानों को बिजाई के लिए जमीन सिंचित करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार खराब मौसम में किसानों को फसल बिजाई से बचना चाहिए। बिजाई के बाद बारिश होने पर पपड़ी जमकर बीज खराब हो सकता है।

एक्यूआई में बारिश से हुआ सुधार

हल्की बारिश ने प्रदूषण के दाग धोने का काम किया है। मौसम ठंडा होने के बाद एक्यूआई बढ़ना शुरू हो गया था। रविवार को एक्यूआई 200 के आसपास पहुंच गया था। बारिश के बाद सोमवार को यह 100 से भी नीचे चला गया। इससे प्रदूषण की समस्या से कुछ हद तक राहत मिली है। बिजली की खपत में भी कुछ कमी आई है, जिससे अनावश्यक कटों से निजात मिली है।

बस ने मारी स्कूटी को टक्कर
नीचे कुचलकर महिला की मौत



रेवाड़ी। बस से महिला की मौत के बाद जमा लोग। फोटो : हरिभूमि

■ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमवार दोपहर ट्रॉमा सेंटर के पास एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी पर पीछे बैठी महिला गिरकर बस के टायर के नीचे कुचली गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

कुतीना निवासी 26 वर्षीय डिंपल अपनी जेठानी पूजा के साथ स्कूटी पर बैठकर ट्रॉमा सेंटर आई थीं। जब वह ट्रॉमा सेंटर के पास पहुंची, तो झज्जर से आ रही एक प्राइवेट बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही डिंपल स्कूटी से गिरकर बस के टायर के नीचे आ गई। उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर लगने के बाद स्कूटी का भी संतुलन बिगड़ गया, लेकिन पूजा ने किसी तरह स्कूटी को संभाल लिया। चालक हादसे के बाद बस छोड़कर फरार हो गया। आसपास के लोगों ने महिला को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद सिटी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने बस को सड़क से हटवाने के बाद अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। केस दर्ज करने के बाद बस चालक की तलाश शुरू कर दी।

कोसली क्षेत्र के गांव से नाबालिग लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

क्षेत्र के गांव से एक नाबालिग बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। लापता नाबालिग की मां ने नाहड़ पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि रविवार को वह अपने मायके निकटवर्ती गांव गई हुई थी कि उनके पति ने मायके आकर बेटी के बारे में पूछताछ करते हुए बताया कि उनकी बेटी घर पर नहीं है। उसके पति ने गांव तथा रिश्तेदारी में पुछताछ की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

डॉक्टरों पर लगाया उपचार में लापरवाही के आरोप, पीएमआर के आधार पर कार्रवाई के आश्वासन पर माने

बच्ची को जन्म देने के बाद महिला की मौत
परिजनों ने अस्पताल में किया जमकर हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

झज्जर चौक के निकट एक प्राइवेट अस्पताल में रविवार की रात बच्ची को जन्म देने के बाद एक महिला की मौत हो गई। अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए परिजनों ने रात को जमकर हंगामा किया। न्याय नहीं मिलने पर महिला के पति ने एसपी ऑफिस के बाहर आत्मदाह की चेतावनी तक दे डाली। मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन शांत हो गए। सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों के हवाले कर दिया। मोहल्ला संघी का बास निवासी पूनम को डिलीवरी के लिए उसके परिजनों ने रविवार सुबह महाराजा अस्तपाल में दाखिल कराया था। इसके बाद पूनम ने बच्ची को जन्म दिया। ऑपरेशन से डिलीवरी के बाद पूनम की तबियत बिगड़ने लगी। चेक करने पर उसे ब्लडिंग की शिकायत मिली। उपचार के दौरान रात को पूनम ने दम तोड़ दिया। जब परिजनों को उसकी मौत की सूचना दी गई, तो उन्होंने अस्पताल में जमकर हंगामा करना शुरू कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पूनम की बहन काजल ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे तक परिवार को उसकी हालत ठीक होने की जानकारी दी जा रही थी। इसके बाद अस्पताल की ओर से बताया गया कि ब्लीडिंग नहीं रुक रही है और दोबारा ऑपरेशन करना पड़ेगा। काजल का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद पूनम को ऑक्सीजन लगाकर नीचे लाया गया, लेकिन परिवार को उसकी गंभीर हालत के बारे में समय पर स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। उसने बताया कि परिवार के सदस्य बार-बार पूनम की स्थिति पूछते रहे, लेकिन उन्हें सब सामान्य होने की बात कही गई। काजल के अनुसार शाम के समय पूनम को नीचे लाया गया। करीब 8 बजे परिवार को उसकी मौत की सूचना दी गई।



रेवाड़ी। महिला की मौत के बाद हंगामा करते परिजन। फोटो : हरिभूमि

पति ने मुआवजे की जगह इंसाफ मांगा

पूनम के पति नरेंद्र यादव ने कहा कि उन्हें किसी तरह का मुआवजा नहीं, बल्कि इंसाफ चाहिए। उसने बताया अगर अस्पताल प्रबंधन समय रहते पूनम की गंभीर हालत के बारे में बता देता, तो वह उसे दूसरे अस्पताल में शिफ्ट कराने का प्रयास कर सकते थे। उन्होंने डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों ने ऑपरेशन के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया और ब्लीडिंग नहीं रुकने के कारणों की भी जांच कराने की मांग उठाई।



रेवाड़ी। महिला की मौत के बाद विलाप करते परिजन। फोटो : हरिभूमि



डॉक्टर ने आरोपों को बताया आधारहीन

अस्पताल की डॉक्टर दीप्ति के अनुसार पूनम 9 महीने से इसी अस्पताल में इलाज करा रही थी। उसका पहला बच्चा भी ऑपरेशन से हुआ था, इसलिए इस बार भी सिजेरियन से डिलीवरी कराई गई। ऑपरेशन के दौरान कोई परेशानी नहीं हुई और मां-बच्ची दोनों स्वस्थ थीं। बाद में उसने घबराहट की शिकायत की, जिसके बाद जांच में ब्लीडिंग दिखाई दी। इसके बाद काफी प्रयास करने के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी।

कंपनी कर्मचारी को बंधक बनाकर लूटपाट करने का आरोपी पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना धारुहेड़ा पुलिस ने एक कंपनी कर्मचारी के अपहरण, मारपीट और लूट के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार किए गए दूसरे आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। गत 21 जुलाई को राजस्थान के जिला कोटपूतली-बहरोड़ के गांव मांचल निवासी खेमचंद ने पुलिस शिकायत में बताया था कि वह गांव जोनियावास स्थित एक कंपनी में कार्यरत है। 20 जुलाई की रात करीब 11:30 बजे जब वह ड्यूटी से घर जाने के लिए धारूहेड़ा बस के पास फ्लाईओवर के नीचे खड़ा था।



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

बदमाश गाड़ी छोड़कर मौके से हो गए थे फरार

उसी समय एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार वहां आकर रुकी। कार में तीन युवक सवार थे, जिन्होंने उससे बहरोड़ चलने के बारे में पूछा। जैसे ही वह कार के पास गया, अंदर बैठे युवकों ने उसे जबरन खींचकर गाड़ी में बैठा लिया। आरोपियों ने पीड़ित को बंधक बनाकर उसका मोबाइल फोन और पर्स छीन लिया। साबी पुल के नजदीक आरोपियों ने पीड़ति के साथ मारपीट की। एक आरोपी ने हाथ में कड़ा पहना हुआ था और उसने देशी कट्टे से पीड़ित के शरीर और सिर पर वार कर उसे घायल कर दिया। बदमाशों ने छीने गए मोबाइल के जरिए पीड़ित के बैंक खाते से पैसे भी अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। जब वे पीड़ित को बंधक बनाकर घुमा रहे थे, तो पुलिस की गश्त कर रही टीम ने संदिग्ध मानकर उनकी गाड़ी का पीछा करना शुरू कर दिया। घबराए बदमाश तेजी से गाड़ी भगाकर एक गांव में घुस गए, जहां उनकी कार एक चबूतरे से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसके बाद बदमाश गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार करते हुए लूट का सामान बरामद कर लिया था। अब इस मामले में पुलिस ने धारूहेड़ा के वार्ड नं. 4 निवासी सुधीर को भी गिरफ्तार कर लिया।

चालक को बंधक बनाकर लूट के चार आरोपी काबू

आरोपियों को कोर्ट से लिया गया रिमांड पर



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गत 10 अक्टूबर की शाम एक कैब चालक को गाड़ी में ही बंधक बनाकर लूट की वारदात को अंजाम देने मामले में पुलिस ने वारदात के चंद घंटों बाद ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है। महेंद्रगढ़ के गांव मोड़ी निवासी कैब चालक आशीष ने पुलिस शिकायत में बताया था कि गत 10 अक्टूबर की शाम को वह अपनी सेलेरियो गाड़ी लेकर शहर में मौजूद था।

शाम को उसके पास उबर ऐप के माध्यम से बुकिंग आई। उसने बताए गए पते के अनुसार पोसवाल चौक शराब के ठेके के पास से 4 युवकों को गाड़ी में बैठाया। यात्रा के दौरान युवकों ने भवाडी गांव अंडरपास पर गाड़ी पहुंचते ही उसका गला दबाकर गाड़ी को असंतुलित कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने उसने जबरन गाड़ी की पिछली सीट पर बंधक बना लिया और उसका मोबाइल फोन छीनकर पासवर्ड पूछ लिया। आरोपियों ने पीड़ित को खेत में बंधक बनाकर रखा।

पुलिस ने तुरंत लिया एक्शनः एएसपी

एएसपी दीपिका अग्रवाल ने पत्रकारों से जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद तुरंत एक्शन लिया। सीआईए और मॉडल टाउन थाना पुलिस की संयुक्त टीम को वारदात की गुत्थी सुलझाने में लगाया था। टीम ने इस मामले में गांव पुंसिका निवासी तुषार, तीतरपुर मसानी गांव में रह रहे यूपी के पैला निवासी परदेसी बाबू, भीमा खरखड़ी प्रहलादपुरा निवासी जतिन व कपिल को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान लूटी गई गाड़ी बरामद करने के प्रयास किए जाएंगे।

धार्मिक कार्यक्रम

मंदिरों में मां दुर्गा की पूजा के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

नवरात्र के दूसरे दिन मंदिरों में मां ब्रह्मचारिणी को किया प्रसन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शारदीय नवरात्र पर जिले के मंदिरों धार्मिक कार्यक्रमों व अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के दूसरे स्वरुप ब्रह्मचारिणी की पूरे विधि-विधान से पूजा अर्चना की। शहर के बारा हजारी स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी स्थित काली माता मंदिर, बड़ा तालाब स्थित मंसा माता मंदिर, नई बस्ती स्थित मंसा देवी मंदिर, सेक्टर-3 स्थित माता मंदिर, बारा पत्थर स्थित कालीमाता मंदिर, आर्य समाज रोड स्थित दुर्गामाता मंदिर सहित सभी मंदिरों में मां दुर्गा की पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आ रही है। महिला मंडलों की ओर से भी मंदिरों में भजन-कीर्तन करके मां भगवती की महिमा का गुणगान किया जा रहा है। मंदिरों में प्रातः से देर रात्रि तक श्रद्धालुओं का आवागमन चल रहा है। शारदीय नवरात्रों में मां दुर्गा की तीसरी शक्ति चन्द्रघंटा के नाम से जानी जाती है। तीसरे नवरात्र पर 13 अक्टूबर को उपासक मां चंद्रघंटा की पूरे विधि-विधान के अनुसार पूजा करेंगे। मां का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। मां के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचन्द्र है, इसी कारण इन्हें चन्द्रघंटा देवी कहा जाता है। माता के शरीर का अंग स्वर्ण के समान चमकीला है। मां चंद्रघंटा के 10 हाथ है, जिनमें अस्त्र- शस्त्र विभूषित हैं। मुद्रा सदैव युद्ध के लिए उद्धत रहती है। मां चन्द्रघंटा की कृपा से साधक के समस्त पाप और बाधाएं नष्ट हो जाती हैं। मां के घंटे की ध्वनि सदा अपने भक्तों की प्रेत बाधा आदि से भी रक्षा करती है। दुष्टों का दमन और विनाश करने में सदैव तत्पर रहने के बाद भी इनका स्वरूप दर्शक और उपासक के लिए अत्यंत सौम्यता एवं शांति से परिपूर्ण रहता है। मां चन्द्रघंटा के भक्त और उपासक जहां भी जाते हैं, लोग उन्हें देखकर शांति और सुख का अनुभव करते हैं। उपासकों को अपने मन, वचन, कर्म एवं काया को पूर्णतः पवित्र करके मां की उपासना करनी चाहिए।





रेवाड़ी। नवरात्र पर बड़ा तालाब मंदिर में सजी मंसा माता की प्रतिमा, आकर्षक लाइटों से जगमग मंसा माता मंदिर। फोटो : हरिभूमि

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

haribhoomi.com

रोहतक, मंगलवार
13 अक्टूबर 2026

10

हरिभूमि

नवरात्र विशेष

सहेली



मांगें मन की शक्ति संग जीवन संवारने का आशीष

आत्मशक्ति के आह्वान का, चेतना को जाग्रत करने का पर्व नवरात्र आरंभ हो चुका है। इन दिनों का भव्य, दिव्य परिवेश न केवल हमें मां शक्तिस्वरूपा का सान्निध्य पाने का अवसर देता है, अपने जीवन को नई ऊर्जा से भरने के लिए भी प्रेरित करता है। आइए इन नवरात्रों में हम सब मां भगवती से आत्मशक्ति के जागरण के साथ अपने जीवन को संवारने का भी आशीष मांगें। ताकि घर-परिवार से लेकर समाज में सकारात्मकता का संचार हो।

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

बीते दो दिन से हर ओर मां आदिशक्ति के जयकारे गूंज रहे हैं। मातृशक्ति के समक्ष पूरा समाज नतमस्तक है। बहुत से घरों में घट स्थापना के बाद नियमित पूजन-अर्चन हो रहा है। कहीं गरबा का उल्लास तो कहीं किसी एक कोने में भक्तिभाव से मां की प्रार्थना में रत मन। शक्ति को साधने का उत्सव कहे जाने वाले नवरात्र पर्व की छटा आम जीवन में ही नहीं, आत्मा में भी उतरती है। हर कोई अपनी ऊर्जा का समर्पण कर मां दुर्गा से यह आह्वान करता दिखता है कि शक्ति स्वरूपा नई शक्ति और सोच का संचार करें। घर-परिवार ही नहीं, समग्र संसार में सुख-शांति बनी रहे। मां का आशीर्वाद जिंदगी को सही दिशा में गतिमान रखे। भगवती का आशीष, सोच-समझ में सकारात्मकता के रंग भर दे। असल में बच्चे हों या बड़े, ऊर्जा और अनुभूतियों का यही भाव जीवन से जोड़ता है। समझना जरूरी है कि इस सहजता और सकारात्मकता के साथ ही मां दुर्गा की आराधना ममता, क्षमा, स्वाभिमान और न्याय का भाव भी लिए है। तभी तो उपासना के ये नौ दिन, परंपरागत रंगों के साथ ही मानवीय सोच और मन को मजबूत बनाने का सुंदर अवसर भी हैं। शक्ति स्वरूपा भगवती, जीवन के हर पहलू को संवारने का विचार जगाने वाली हैं। हर बुराई का प्रतिकार करने की हिम्मत देने वाली हैं। स्त्रियों के मन-जीवन से ऐसे भाव गहराई से जुड़े होते हैं। महाशक्ति देवी भगवती की उपासना कर, हर स्त्री अपने सामर्थ्य को पहचानने का आशीष मांगे। अपने जीवन के रण में स्वयं शक्ति स्वरूपा बनें।



मन की शक्ति को समझिए

नवरात्र का महापर्व आस्था और विश्वास के जरिए अपनी ही असीम शक्तियों से हमारा परिचय पाने का समय होता है। ये नौ दिन मन-जीवन को नया-सा कर जाते हैं। ऐसे में मां का आह्वान कर हर स्त्री जीवन की परिस्थितियों से जूझने का साहस और संबल जुटा सकती है। मां अंबे की साधना करते हुए उनके शक्तिस्वरूपा और जाग्रत रूप को अपने भीतर सहेजते हुए बेहतरी की ओर बढ़ने का प्रण ले सकती हैं। मन और मस्तिष्क के लिए नई ऊर्जा उपार्जित कर सकती हैं। उम्र के हर मोड़ पर महिलाएं कई मोर्चों पर एक साथ जूझती हैं। आर्थिक संकट से लेकर अपनों की संभाल-देखभाल तक, फिक्र के फेर में फंसी रहती हैं। भारतीय परिवेश में तो महिलाएं हौसले और हिम्मत से हर संकट का सामना करते हुए आगे बढ़ी हैं और बढ़ रही हैं। माना भी जाता है कि स्त्री हर संकट से जूझने का हौसला जुटा ही लेती है। यह अवसर इस शक्ति को और निखारने का अवसर होता है, क्योंकि नारी की प्रखरता और शक्ति सामर्थ्य का नाम ही मां दुर्गा है। नौ दिनों का आध्यात्मिक और पारंपरिक पर्व हर स्त्री को समझाता है कि प्रकृति ने उसे सहज-सरल ही नहीं बनाया, जरूरत पड़ने पर हर मुसीबत से लड़ जाने का माद्दा भी दिया है। मां भगवती का पूजन-अर्चन अपने सामर्थ्य को सहेजने और मुसीबतों के आगे मोर्चा संभालने की शक्ति का आह्वान करना ही तो है। इन नौ दिनों में मां का वंदन करते हुए अपने भीतर की इस शक्ति को पहचानने का प्रयास भी हर स्त्री अवश्य करे।

सजग-जागरूक बनिए

मां दुर्गा का रूप भारतीय स्त्री के आत्मविश्वास से दमकते मुखमंडल का प्रतीक है। मातृ-शक्ति के रूप में पोषक और चेतनामयी रूप में सजगता और जागरूकता का प्रतिबिंब। स्त्री जीवन में हर मोर्चे पर सजगता और जागरूकता अहम है। असल में देखा जाए, तो महिलाओं में जिंदगी के हर पहलू को लेकर चेतना संपन्न सोच होनी ही चाहिए। अधिकारों के लिए जागरूकता और सुरक्षित जीवन के लिए सजगता आवश्यक है। भारत ही नहीं, संसार के हर हिस्से में सशक्त बनने और बने रहने की एक जरूरी शर्त जागरूक और सजग रहना ही है। हर जगह नियम-कानूनों की जानकारी रखना ही, तो सुरक्षा और सम्मान के हालात बनाता है। इतना ही नहीं जिंदगी से जुड़ी दूसरी रूढ़ियों को लेकर मुखरता और संकीर्ण विचारों का विरोध करने का धरातल भी सही जानकारी ही बनाती है। आप गृहिणी हों या काम-काजी, हर महिला के लिए किसी सार्थक और सकारात्मक पहल का हिस्सा बनने या अपने जीवन को बेहतर बनाने का पहला पड़ाव जागरूक रहना ही है। नवरात्र में मां दुर्गा से भी अपनी चेतना को पोषित करने का आशीष मांगा जाता है। शक्ति उपासना के इस पर्व पर हर स्त्री अपने अंतर्मन की शक्ति को साधने और जागरूक रहने का बल जुटाए। एक चेतना से संपन्न स्त्री ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक



सरोकारों के प्रति जागरूक हो सकती है। समाज में फैली कुप्रथाओं के विरुद्ध लड़ने का संबल जुटा सकती है। यह अपने सामर्थ्य को पहचानने की दिशा में सबसे पहला कदम है।

साथ-स्नेह के मायने समझिए

आदि शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र, महिलाओं के मन और जीवन में झलकती नई ऊर्जा, नई चेतना को भी प्रतिबिंबित करता है। इस चेतनामयी बल के दम पर स्त्रियां आत्मविश्वासी और मुखर बनकर ना केवल हर मुसीबत से जूझ सकती हैं बल्कि औरों का सहारा भी बन सकती हैं। स्वयं मां दुर्गा ने भी कई बार देवताओं के कष्ट हरे हैं। शक्ति पूजा के बाद श्रीराम को जीत का आशीष भी आदिशक्ति ने ही दिया था। स्त्रियां भी साझी सोच के साथ हर संकट का मुकाबला कर सकती हैं। एक दूजे का संबल बन सकती हैं। इसीलिए किसी की पीड़ा भी बांटें और संबल भी दें। परेशानी के दौर में किसी का साथ दें और कामयाबी के समय सराहना भी करें। अपने सपनों को पूरा करने के हौसले के साथ ही दूसरों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का मानस भी जरूरी है। अपनी नेतृत्व क्षमता और योग्यता पर भरोसा रखते हुए आगे बढ़ती जाएं। सशक्त होने का अर्थ यही है कि हम खुद को मजबूती से थामते हुए दूसरों को कुछ देना भी सीखें। स्त्री मां के रूप में मात्र जीवन नहीं देती है, अपने बच्चों को मनुष्यता का पाठ पढ़ाकर समाज को जिम्मेदार नागरिक भी देती है। वो स्वयं को कभी कम ना आंके। शक्ति के उपार्जन का यह पर्व मातृ-शक्ति की उपासना को सर्वोच्च दर्जा देता है। यूं भी भारतीय संस्कृति में मातृ-शक्ति को प्राणशक्ति माना गया है और उसका स्थान सबसे ऊपर है। इसीलिए इस पर्व पर हर महिला खुद सृजन शक्ति के सही अर्थ को समझे। अपने उस सामर्थ्य को पहचाने, जो उसे प्रकृति ने दिया है। स्त्रियां इसी सामर्थ्य के बल पर साथ-संबल का परिवेश बना सकती हैं। ईर्ष्या, स्पर्धा और असुरक्षा की भावना से दूर अपनी और दूसरी स्त्रियों की बेहतरी के लिए प्रयास करने का आशीष मांगना ही सही मायने में मां शक्ति के वंदन करने का भाव है।

पर्व एक बहुत बड़ा अवसर होते हैं, अपनी संस्कृति-परंपरा से जुड़ने का। बच्चों को नवरात्र से जुड़े विधि-विधान बताएं और उन्हें अपनी परंपरा-संस्कृति से जोड़ें। इसके लिए आप कुछ बातों पर ध्यान दें।

नवरात्र में बच्चों को जोड़ें अपनी संस्कृति-परंपरा से

बच्चे और आप

निकिता चौहान



नवरात्र आरंभ चुके हैं। लोग बड़ी आस्था के साथ मां दुर्गा की पूजा-पाठ में व्यस्त हैं। भजन-कीर्तन चल रहे हैं। जगह-जगह माता की चौकी सजी हुई है। वहीं दूसरी तरफ गरबा-डांडिया भी आरंभ हो रहे हैं। बड़े-छोटे सभी इस उत्सवी माहौल में उमंगित हैं। इसमें कोई दो मत नहीं कि पर्व बच्चों को अपनी संस्कृति-परंपराओं से जोड़ने का एक अच्छा अवसर होते हैं। बच्चे सिर्फ पूजा के समय साथ बैठाने से अपनी संस्कृति-परंपराओं से परिचित नहीं हो सकते। उन्हें पूजा की तैयारी, भजन, प्रसाद और नवरात्र से जुड़ी अन्य गतिविधियों में सम्मिलित करना जरूरी है। इससे वे त्योहार का मतलब सही ढंग से समझेंगे, खुशी के साथ नवरात्र पर्व का हिस्सा बनेंगे।

पूजा की तैयारी में दें छोटी जिम्मेदारियां: बच्चों को नवरात्र पूजा की तैयारी में अवश्य शामिल करें। छोटे बच्चे, फूल सजाने और पूजा की थाली लगाने में मदद कर सकते हैं। बड़े बच्चे रंगोली बना सकते हैं या पूजा की जगह सजाने में सहायता कर सकते हैं। इससे उनके भीतर मां दुर्गा के प्रति आस्था और भक्ति के भाव जागेंगे।



नौ दिन-नौ कहानियां: बच्चों को हर दिन मां के एक स्वरूप की कहानी अवश्य सुनाएं। कहानी के साथ उससे मिलने वाली सीख भी बताएं, जैसे किसी दिन माता के साहस की बात करें, तो किसी दिन दया-करुणा और धैर्य की। इस तरह बच्चे मां की कथाओं से प्रेरणा लेंगे।

बच्चों के सवालों का जवाब दें: बच्चे बहुत ही जिज्ञासु होते हैं। वे पूछते हैं कि नवरात्र नौ दिन क्यों मनाई जाती है? कन्या पूजन क्यों होता है? मां के अलग-अलग स्वरूप क्यों हैं? बच्चों के सवालों को कभी टालें नहीं। उन्हें आसान भाषा में जवाब दें। जब बच्चों को किसी परंपरा की वजह समझ आती है, तो वे उसे आसानी से अपना पाते हैं।

प्रसाद बनाने में मदद लें: नवरात्र पूजन का प्रसाद और फलाहार बनाते समय बच्चों को भी साथ रखें। वे फल काटने, मेवा रखने या प्रसाद की प्लेट लगाने में मदद कर सकते हैं। इस दौरान उन्हें यह भी बताएं कि नवरात्र में अलग-अलग जगहों पर कौन-कौन से पारंपरिक पकवान बनाए जाते हैं।

गरबा-डांडिया में हो बच्चों की भागीदारी: बच्चों को नवरात्र की पूजा और परंपराओं से जोड़ने के साथ ही गरबा और डांडिया के बारे में भी बताएं। उन्हें इन कार्यक्रमों में ले जाएं, इनका हिस्सा बनाएं। इससे वे गरबा और डांडिया की संस्कृति का महत्व समझेंगे।

कन्या पूजन का मतलब बताएं: अष्टमी या नवमी पर कन्या पूजन के दौरान बच्चों को जरूर साथ में रखें। कन्याओं के स्वागत, भोजन और प्रसाद की तैयारी में उनकी मदद लें। उन्हें समझाएं कि कन्याओं का सम्मान जरूरी है। सम्मान सिर्फ त्योहार के दिन नहीं, बल्कि साल के प्रत्येक दिन होना चाहिए।

बच्चों को दें उनकी पसंद का काम: बच्चों को पूजा और परंपराओं से जोड़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें उनकी नापसंद का काम ना सौंपे, उन्हें उनकी पसंद के काम में शामिल करें। किसी को सजावट करना पसंद है, तो उसे सजावट करने दें और प्रसाद बांटना पसंद है, तो उसे यह जिम्मेदारी दें।

बड़े प्रयास की जरूरत नहीं: बच्चों को परंपराओं से जोड़ने के लिए बड़े प्रयास की जरूरत नहीं है। उन्हें बस त्योहार का हिस्सा बनाना है। जब बच्चे पूजा की थाली सजाएंगे, दादी-नानी से कहानी सुनेंगे, परिवार के साथ गरबा करेंगे और प्रसाद बांटेंगे, तो नवरात्र उनके लिए परिवार के साथ बिताया एक यादगार समय बन जाएगा। वे अपनी परंपरा-संस्कृति से जुड़ेंगे।

डाइट सजेशन

डॉ. आस्था शर्मा
सीनियर डाइटीशियन

नवरात्र में कई महिलाएं नौ दिनों का व्रत रखती हैं। लेकिन व्रत पूरे करने के बाद डाइट में अचानक बदलाव करने से पाचन तंत्र पर असर पड़ सकता है। ऐसे में धीर-धीरे नॉर्मल डाइट में वापसी करनी चाहिए। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

व्रत के बाद न बरतें लापरवाही ऐसे करें नॉर्मल डाइट में वापसी



नवरात्र व्रत के दौरान कई महिलाएं नौ दिनों तक फलाहार या सीमित आहार का पालन करती हैं। इन दिनों आप भी ऐसा कर रही होंगी। लेकिन व्रत खत्म होने के बाद अचानक भारी, तला-भुना और ज्यादा मीठा खाना शुरू कर देना, शरीर के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इससे गैस, पेट फूलना, कब्ज, एसिडिटी, थकान और ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में व्रत के बाद शरीर को किसी 'क्रैश डिटॉक्स' की नहीं, बल्कि संतुलित और धीरे-धीरे सामान्य डाइट में लौटने की जरूरत होती है। व्रत के बाद शरीर को डिटॉक्स करने के नाम पर जूस डाइट, केवल फल खाने या लंबे समय तक खाना छोड़ने की जरूरत नहीं है। व्रत के बाद सबसे जरूरी है कि हम शरीर को पर्याप्त पानी, प्रोटीन, फाइबर और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स दें और सामान्य डाइट में धीरे-धीरे वापस आएं।

व्रत के बाद डाइट प्लानिंग: व्रत खोलने के तुरंत बाद बहुत ज्यादा खाना खाने से बचें। शुरुआत हल्के और आसानी से पचने वाले भोजन से करें। खिचड़ी, दही, चावल, मूंग दाल, सब्जियां, सूप या हल्का घर का बना भोजन बेहतर विकल्प हो सकते हैं। अगले कुछ दिनों में सामान्य संतुलित डाइट को धीरे-धीरे अपने रूटीन में शामिल किया जा सकता है।



लें प्रोटीन रिच डाइट: अगर व्रत के दौरान प्रोटीन का सेवन कम रहा है, तो व्रत के बाद इसकी भरपाई करना जरूरी है। डाइट में दाल, पनीर, दही, दूध, सोया, चना और अन्य प्रोटीन स्रोत शामिल करें। पर्याप्त प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को बनाए रखने और लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है।

पानी और फाइबर बढ़ाएं: व्रत के दौरान पानी और फाइबर का सेवन कम होने से कब्ज और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। दिनभर पर्याप्त पानी पिएं और धीरे-धीरे सलाद, फल, सब्जियां, साबुत अनाज और दालों को डाइट में शामिल करें। फाइबर अचानक बहुत ज्यादा बढ़ाने के बजाय इसकी मात्रा धीरे-धीरे बढ़ाना बेहतर है।

इन फूड्स से बनाएं दूरी: व्रत खत्म होते ही मिठाइयां, तली-भुनी चीजें, नमकीन, प्रोसेस्ड फूड, ज्यादा मसालेदार भोजन और शुगर युक्त ड्रिंक्स का अधिक सेवन न करें। लंबे समय तक कम कैलोरी लेने के बाद अचानक बहुत ज्यादा कैलोरी लेने से पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

सबसे इफेक्टिव है बैलेंस डाइट: व्रत के दौरान कम खाने और व्रत खत्म होने के बाद ज्यादा खाने, दोनों से बचना चाहिए। अपनी मील प्लेट में प्रोटीन, सब्जियां, साबुत अनाज और स्वस्थ वसा का संतुलन रखें। शरीर को सामान्य रुटीन में लौटने के लिए जल्दबाजी न करें। यदि लगातार कमजोरी, चक्कर, उल्टी, गंभीर पेट की समस्या हो या फिर ब्लड शुगर कंट्रोल में नहीं रहता हो, तो डॉक्टर या डायटीशियन की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

डिटॉक्स के लिए क्या करें: डिटॉक्स के लिए महंगे डिटॉक्स ड्रिंक्स या सप्लीमेंट्स जरूरी नही हैं। पर्याप्त पानी, संतुलित भोजन, अच्छी नींद और रोजाना शारीरिक गतिविधि ही शरीर को रिकवर करने के लिए पर्याप्त आधार देती है। व्रत के बाद रोजाना 20-30 मिनट की हल्की वॉक से शुरुआत की जा सकती है। यदि आप नियमित व्यायाम करती हैं, तो धीरे-धीरे अपनी सामान्य एक्सरसाइज रुटीन में लौट सकती हैं।

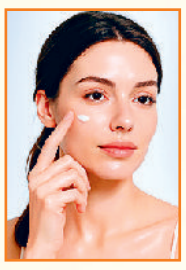
प्रस्तुतिः निशि

मेकअप

निधि गोयल

ऐसे करें मेकअप-मेंटेन रहेगा ग्लो

नवरात्र में गरबा नाइट में घंटों डांस और मस्ती के बीच आपका लुक भी परफेक्ट रहना चाहिए। लेकिन पसीने की वजह से मेकअप जल्दी खराब हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि मेकअप करते समय सही प्रोडक्ट्स अप्लाई करें और कुछ आसान स्टेप्स को भी फॉलो करें। इससे आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा और आप पूरी रात फ्रेश और खूबसूरत नजर आएंगी।



सबसे पहले मॉयश्चराइजर: सबसे पहले त्वचा को साफ करना जरूरी है। इसके लिए माइल्ड फेस वॉश के जरिए चेहरे को अच्छी तरह साफ कर लें। फिर चेहरे को मॉयश्चराइज करें। इससे आपकी त्वचा पर नमी बनी रहेगी, साथ ही मेकअप ज्यादा ड्राय नजर नहीं आएगा। साथ ही मेकअप बेहतर तरीके से हो पाएगा। इसके बाद प्राइमर का इस्तेमाल करें, जिससे मेकअप ज्यादा देर तक टिका रहता है। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो मैटिफाइंग प्राइमर लगाएं, खासकर माथे, नाक और ठुड्डी के आसपास। ड्राय स्किन के लिए हाइड्रेटिंग प्राइमर बेहतर विकल्प हो सकता है।

ज्यादा हैवी बेस लगाने से बचें: अगर आप चाहती हैं कि गरबा करते हुए आपको मेकअप अट्रैक्टिव नजर आए, तो बहुत ज्यादा मेकअप करने से बचें। गरबा में घंटों डांस करना हो, तो चेहरे पर फाउंडेशन की मोटी परत लगाने से बचें। हल्का और लॉन्ग-वेयर बेस चुनें और जहां जरूरत हो, वहीं कंसीलर लगाएं। ज्यादा प्रोडक्ट लगाने पर पसीने के साथ पैची नजर आ सकता है।



वॉटरप्रूफ आई मेकअप: पसीने से आपका मेकअप मेल्ट न हो, इसके लिए आंखों पर वाटरप्रूफ आई मेकअप करें। इससे आपका मेकअप जल्दी से खराब नहीं होगा। बेहतर होगा कि आप वाटरप्रूफ काजल, आईलाइनर और मस्कारा चुनें।

टी-जोन को करें हल्का सेट: मेकअप के बाद ट्रांसलूसेंट या सेटिंग पावडर से खासतौर पर टी-जोन को हल्का सेट करें। इससे एक्सट्रा ऑयल को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा पावडर लगाने से चेहरा केकी दिख सकता है। इसलिए बहुत ज्यादा पावडर लगाने से बचें।

लॉन्ग-लास्टिंग लिपस्टिक: पसीना आने पर लिपस्टिक भी होंठों पर लंबे समय तक स्टे नहीं कर पाता है, तो ऐसे में जरूरी है कि बार-बार लिपस्टिक के टचअप से बचने के लिए मैट या ट्रांसफर-रेजिस्टेंट लिक्विड लिपस्टिक चुनें। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को मॉयश्चराइज करें और लिप लाइनर का इस्तेमाल करें।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डेकोरेशन

रजनी अरोड़ा

घर की सजावट हो अलग-आकर्षक

नवरात्र शुरू हो चुके हैं। आप इन दिनों अपने घर को कुछ अलग अंदाज में जरूर सजाना चाहेंगी। हम आपको कुछ ऐसे यूनीक आइडियाज बता रहे हैं, जिनसे आप अपने घर को आकर्षक अंदाज में डेकोरेट कर सकती हैं।







नवरात्र और आने वाले त्योहारों के लिए आप अपने घर को अलग अंदाज में जरूर सजाना चाहेंगी। हर बार वही पुरानी झालरें लगाने के बजाय इस बार घर थोड़ा क्रिएटिव तरीके से सजाइए। थोड़ी-सी मेहनत और कुछ खूबसूरत आइडियाज से घर का कोना-कोना त्योहारों की चमक से जगमगा उठेगा।

नौ रंगों के दुपट्टों से सजाएं दीवार: नवरात्र के नौ रंगों को घर की सजावट में शामिल करना इस बार कुछ अलग और खूबसूरत आइडिया हो सकता है। स्ट्रिंग लाइट्स की जगह नौ अलग-अलग रंगों के दुपट्टे या रंगीन कपड़े दीवार, दरवाजे या पूजा स्थल के पीछे लगाएं। इन्हें अलग-अलग ऊंचाई पर सजाने से दीवार को आकर्षक लुक मिलेगा। यह सजावट गरबा नाइट की तस्वीरों के लिए सुंदर बैकड्रॉप का काम भी करेगी।

गेंदे और आम के पत्तों का तोरण: त्योहारों में फूलों और पत्तों से बनी सजावट हमेशा खास लगती है। घर के मुख्य दरवाजे पर गेंदे के ताजे फूलों और आम के पत्तों से बना तोरण लगाएं। चाहें तो इसमें छोटे शीशे, मोती या रंगीन धागे भी जोड़ सकती हैं। इससे घर के प्रवेश द्वार पर पारंपरिक रंग और फूलों की खुशबू दोनों नजर आएंगे।

रंगोली बने आकर्षण का केंद्र: रंगोली को सिर्फ दरवाजे के पास छोटी-सी सजावट तक सीमित न रखें। इस बार इसे थोड़ा बड़ा बनाकर घर की सजावट का मुख्य आकर्षण बनाएं। रंगीन चावल, फूलों की पंखुड़ियां और दीयों की मदद से ज्यामितीय या फूलों वाले डिजाइन बनाए जा सकते हैं। हर दिन रंगोली का डिजाइन बदलने से सजावट में नयापन बना रहेगा।

मिट्टी के दीयों से रोशन करें घर: नवरात्र की सजावट में मिट्टी के दीयों की खूबसूरती अलग ही नजर आती है। पूजा स्थल, खिड़की, बालकनी या सीढ़ियों पर दीयों की कतार सजाएं। अलग-अलग आकार के दीयों को फूलों की पंखुड़ियों से सजी ट्रे में भी रखा जा सकता है। शाम के समय दीयों की हल्की रोशनी घर को आध्यात्मिक माहौल देती है।

बंधानी-शीशे वाले लटकन: अगर आप बिना ज्यादा खर्च के घर को रंगीन लुक देना चाहती हैं, तो बंधानी कपड़े और शीशे वाले राजस्थानी लटकन इस्तेमाल कर सकती हैं। इन्हें मुख्य दीवार या पूजा स्थल के पीछे सजाएं। दिन की रोशनी पड़ने पर छोटे शीशे चमकेंगे और कमरे में खूबसूरत सी-झिलमिलाहट नजर आएगी। रंग-बिरंगे लटकन भी नवरात्र के माहौल के साथ खूब मैच करते हैं।

सजाएं फूलों की मालाएं: इस बार सिर्फ एक लंबी माला लगाने के बजाय अलग-अलग फूलों की कई मालाओं से सजावट करें। गेंदे, गुलाब, गुलदाउदी जैसे फूलों की मालाओं को दरवाजे, खिड़की, पूजा स्थल या मंदिर के आसपास लगाया जा सकता है। हर दिन अलग रंग के फूलों का चुनाव करें। इससे सजावट में रोज थोड़ा बदलाव भी नजर आएगा और घर में फूलों की खुशबू भी बनी रहेगी।

रेलवे कॉलोनी में रामलीला मंचन, श्रवण कुमार प्रसंग ने किया भावुक

बाण लगने पर श्रवण कुमार ने त्यागे प्राण, पुत्र वियोग में माता-पिता ने राजा दशरथ को दिया श्राप

केके सक्सेना के निर्देशन में दूसरे दिन हुआ मंचन, आरपी यादव ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेलवे कॉलोनी में श्री राम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब की ओर से के के सक्सेना के निर्देशन में रामलीला का मंचन किया जा रहा है। दूसरे दिन की रामलीला का शुभारंभ आर पी यादव सेवानिवृत्त सीटीआई ने किया तथा सभी को प्रभु श्री राम की तरह बनने की प्रेरणा दी। इस मौके पर एम के सिंह सहायक मंण्डल सिग. एंड टेली. इंजीनियर उत्तर पश्चिम रेलवे भी उपस्थित थे। मंचन के दौरान श्रवण कुमार अपने माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराते हैं, लेकिन रास्ते में माता को प्यास लगने पर श्रवण कुमार पानी की तलाश में सरयू नदी पर चले जाते है। नदी से पानी लेते समय आखेट करते राजा दशरथ जंगली जानवर समझ कर बाण प्रहार कर देते है, जिससे बाण लगने पर श्रवण कुमार तड़प-तड़प का प्राण दे देता है। उसकी अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए जब राजा दशरथ जल लेकर श्रवण कुमार के माता-पिता के पास पहुंचते है और सारा वृतांत सुनाते है तो श्रवण कुमार के माता-पिता राजा दशरथ को श्राप दे देते है कि जिस तरह हम बेटे के वियोग में प्राण त्याग रहे है, उसी तरह तू भी अपने बेटे के वियोग में प्राण देगा।





रेवाड़ी। बाण लगने के बाद श्रवण कुमार से संवाद करते राजा दशरथ। राम-लक्ष्मण को ले जाते हुए गुरु विश्वामित्र।

संतान प्राप्ति के लिए किया गया यज्ञ

संतान न होने के कारण राजा दशरथ गुरु वाशिष्ठ के कहने पर श्रृंगी ऋषि से पुत्रष्ट यज्ञ कराते है, जिसमें अग्नि देव प्रकट हो कर फल देते है, जो तीनों रानियों को खाने के लिए दिए जाते है। भगवान विष्णु प्रकट होकर माता कौशल्या को उनकी कोख से पुत्र के रूप में जन्म लेने का संदेश देते है। फल खाने से तीनों रानियों के चार पुत्र होते है, जिन के नाम राम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न रखे जाते है। गुरू विश्वामित्र राक्षसों के कष्टों से परेशान होकर राजा दशरथ के पास जाते है और कहते है कि सहायता के लिए राम व लक्ष्मण को साथ भेज दो। राजा दशरथ प्रार्थना करते है कि राम-लक्ष्मण अभी बच्चे है, इसलिए उन्हें चलने की आज्ञा दें, लेकिन विश्वामित्र नाराज हो जाते है। गुरू वशिष्ठ के समझाने पर राजा दशरथ राम-लक्ष्मण को विश्वामित्र के साथ भेज देते है। गुरु विश्वामित्र राम-लक्ष्मण को विद्या सिखाते है, जिसके बाद राम लक्ष्मण के राक्षसी ताड़का व सुबाहु का वध कर देते है तथा मारीच को अपने बाण से लंका में फेंक देते है। रामलीला में दशरथ का अभिनय महेश शर्मा, श्रवण कुमार व ताड़का मुकेश भारद्वाज, श्रवण कुमार के माता-पिता-सतीश व जितेश, गुरु वशिष्ठ-सतीश, श्रृंगि ऋषि-केके सक्सेना, कौशल्या-नरेन्द्र गोयल भगवान विष्णु-दिवेश शर्मा, विश्वामित्र-राजेश शर्मा, राम-लक्ष्य कौशिक, लक्ष्मण प्रियांशु सोनी, सुमंत व मारीच-रोहित, सुबाहु-मोहित यादव, राक्षस-बिजेश शर्मा, प्रिंस, सौरभ शर्मा, राजा-नरेन्द्र गोयल, भगत, संजय सोनी, जगदीश शर्मा, नवीन, महेश कुमार तथा किन्नरों का अभिनय उमेश शर्मा, मेहर चन्द व संजय सोनी ने किया।

श्रवण कुमार चम्पक-चमेली के प्रसंगों ने मोहा

रेवाड़ी। श्री शिव रामलीला समिति की ओर से मर्यादा पुरषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श चरित्र को नाटक के रूप में दर्शाया गया। रामलीला के प्रथम दिन समिति के प्रधान व कार्यक्रम के मुख्यातिथि नवल किशोर गुप्ता व महिला मंडल की प्रधान लक्ष्मी गुप्ता व आरव गुप्ता ने विधिवत गणेश पूजन किया। अतिथियों ने रिबन काटकर रामलीला का शुभारंभ किया। शिव रामलीला समिति के महासचिव दीपक मंगला ने अतिथियों का स्वागत किया। पहले दिन की रामलीला में श्रवण कुमार व चम्पक चमेली के नाटक को दिखाया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। नाटक में बताया गया कि आखिर प्रभु श्री राम धरती पर क्यू आए और ऐसे क्या संयोग थे जो प्रभु श्री राम 14 साल के लिए वनवास गए। नाटक में राजेश मैया ने गणेशजी, हर्ष गुप्ता व सोमेश सैनी ने रिद्धि-सिद्धी, एडवोकेट भूपेंद्र गुप्ता व नवीन लखेरा ने शिव-पार्वती, नितिन चावरिया ने श्रवण कुमार, महेन्द्र मिस्त्री ने शान्तवन, राजेश ने ज्ञानवति, संजीव वशिष्ठ ने दशरथ, प्रकाश सैनी ने गुरू वशिष्ठ, जेपी पंडित ने सूरसेन, नरेन्द्र रामपुरा, अनिल रामपुरा, लोकेश, सुरेन्द्र, विनोद ने मंत्री, बीडी अग्रवाल ने भानुशंकर, डा. श्याम बिहारी ने महाराज चेतनदास, पवन डाबला ने बेचरदास, मुकेश चावरिया ने चम्पक व गिरिश गुप्ता ने चमेली की भूमिका निभाई। लीला में निर्देशन डायरेक्टर कपिलचंद शर्मा व डाइ श्याम बिहारी का रहा। रामलीला के आयोजन में मुख्य संरक्षक व विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, अजय मित्तल, राकेश पाल्हावासिया, नरेश मित्तल, राधेश्याम मित्तल, उपप्रधान अनिल कुमार गोयल, रमेश गेरा, सुरेश गर्ग, सन्नी गोयल, चेयरमैन जितिन अग्रवाल , लक्ष्मी नारायण,मुकेश जिंदल, रिशू यादव, राकेश गोयल व विष्णु गुप्ता सहयोग कर रहे है।





रेवाड़ी। साइबर ठगी की जानकारी देते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने के तरीके बताए

- बिजली, गैस और मोबाइल कनेक्शन कटने के नाम पर होने वाले फ्रॉड से किया सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के तहत आमजन को साइबर अपराधों से बचाने के लिए विशेष जागरुकता अभियान चलाए जा रहे है। सोमवार को साइबर थाना से एएसआई जितेन्द्र ने टीम के साथ गांव भाड़ावास स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को साइबर ठगी के नए तरीकों और उनसे बचने के उपायों के बारे में जानकारी दी। एएसआई जितेन्द्र ने कहा कि आजकल साइबर अपराधी लोगों को डराने और ठगने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से बिजली, गैस और मोबाइल कनेक्शन कटने के नाम पर हो रहे फ्रॉड के प्रति सभी को आगाह किया।

साइबर ठगी पर 1930 नंबर पर कॉल करें

पुलिस टीम ने बताया कि साइबर ठग लोगों के मोबाइल पर मैसेज भेजते हैं कि आपका पिछला बिजली या गैस बिल जमा नहीं हुआ है और आज रात 9:30 बजे आपका कनेक्शन काट दिया जाएगा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कोई भी सरकारी विभाग या कंपनी इस तरह के धमकी भरे मैसेज नहीं भेजती है। जालसाज कॉल पर बात करते हुए लोगों को डराते हैं और कनेक्शन कटने से बचाने के लिए तुरंत कोई छोटी राशि ऑनलाइन जमा करने को कहते हैं, जिससे वे आपके बैंक खाते की जानकारी चुरा सकें। एएसआई ने बताया कि कई बार ठग आपकी सहायता करने के बहाने आपके फोन में एनीडेस्क, टीमव्यूअर या कोई अन्य स्क्रीन-शेयरिंग ऐप इंस्टॉल करा देते हैं। ऐसे ऐप डाउनलोड करते ही आपके मोबाइल का पूरा कंट्रोल साइबर ठगों के पास चला जाता है और वे चंद सेकंड में आपका बैंक खाता खाली कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी के साथ किसी प्रकार की साइबर ठगी हो जाती है, तो बिना घबराए तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

खबर संक्षेप

दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का उठाया लाभ

रेवाड़ी। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष व आरामनगर-कनुका के सरपंच जयवीर योगी के निवास पर दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत कैंप आयोजित किया गया। कैंप में सैकड़ों महिलाओं ने योजना का लाभ उठाया। पात्र महिलाओं के फॉर्म भरे गए तथा किन्हीं कारणों से योजना की राशि प्राप्त नहीं कर पा रही महिलाओं की आवेदन संबंधी कमियों को दूर करने में सहायता की गई। सीपीएलओ नवीन ने महिलाओं के फॉर्म भरने और आवेदन प्रक्रिया पूरी कराने में सहयोग किया। जयवीर योगी ने कहा कि पीएम के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा सीएम के नेतृत्व में हरियाणा सरकार जनकल्याण और महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं।

विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने का लिया संकल्प

बावल। नंगली परसापुर रोड स्थित सरवन इंटरनेशनल विद्यालय में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। ब्रह्मकुमारी संस्थान से मुख्यातिथि और शिक्षकों ने कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आर्थिक विकास में बाधा उत्पन्न करता है। नशे की लत न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती है।

सेवा फर्स्ट इन्नोवेशन चैलेंज कार्यक्रम में विद्यार्थियों को किया जागरूक

- जमीनी समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

राजकीय महाविद्यालय नाहड़ में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा फर्स्ट इन्नोवेशन चैलेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता जिला संयोजक सरदार सिंह बहाला ने कहा कि हम सब हर रोज सड़कों पर गड्ढे देखते हैं, अस्पतालों में लंबी कतारें देखते हैं, किसानों की पानी की समस्या सुनते हैं या कचरे के ढेर देखते हैं। हम में से 99 प्रतिशत लोग सिर्फ शिकायत करते हैं, लेकिन एक सच्चा इंजीनियर, रिसर्चर या इनोवेटर वह होता है जो कहता है समस्या है, तो इसका हल मैं ढूंढूगा। सेवा फर्स्ट का मतलब ही यही है, सेवा के माध्यम से नवाचार। यहां किसी काल्पनिक आइडिया की जरूरत नहीं है, यहां जरूरत है भारत की असल जमीनी समस्याओं के व्यावहारिक समाधान की। जिला सहसंयोजक सुनील ग्रोवर, नाहड़ मंडल अध्यक्ष हरीश दायमा, नोडल अधिकारी हिमांशु राव एमएसएमई करण सिंह, बिट्टू नयागांव मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार, प्राचार्य सूर्यपाल और प्रो. नरेंद्र सिंह व विद्यार्थी उपस्थित रहे।



रेवाड़ी। विद्यार्थियों को सेवा फर्स्ट इन्नोवेशन चैलेंज कार्यक्रम की जानकारी देते मुख्य वक्ता।

कोसली में सेवा सेतु शिविर में सैकड़ों नागरिकों ने उठाया लाभ

कोसली। कोसली लघु सचिवालय परिसर में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ों नागरिकों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी ली। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाकर मरीजों की जांच की। एसडीएम विजय कुमार यादव ने शिविर का शुभारंभ कर विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया।एसडीएम ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के दस्तावेज पूरे करवाने में सहयोग करें और आमजन के साथ अच्छा व्यवहार रखें, ताकि किसी को निराश होकर न लौटना पड़े।शिविर में लाडो लक्ष्मी योजना की पात्र महिलाओं के दस्तावेज जमा किए गए। एसडीएम ने बताया कि राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार तीन लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवारों को भी योजना का लाभ दिया जाएगा। हालांकि, इसकी सूची अभी जारी नहीं हुई है। किसानों को परंपरागत खेती के साथ बागवानी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी प्रेरित किया। शिविर में समाज कल्याण, पशुपालन, रोजगार, पंचायती राज, रोडवेज, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सोलर ऊर्जा, पिछड़ा वर्ग विकास निगम सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी।



फसल अवशेष मिट्टी में मिलाने पर मिलेंगे 1200 रुपये प्रति एकड़

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत धान की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों को मशीनों की सहायता से मिट्टी में मिलाने पर किसानों को 1200 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जा रही है। प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने के लिए किसानों का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं की निगरानी एवं रोकथाम के लिए जिला स्तर, ब्लॉक स्तर एवं गांव स्तर पर टीमें गठित की गई है।



पराली जलाने से मिट्टी के मित्र कीट नष्ट हो जाते

उप कृषि निदेशक डा. राकेश कुमार ने कहा कि पराली को जलाने से वायु प्रदूषण बढता है, मिट्टी की जैविक गुणवत्ता प्रभावित होती है। मिट्टी में मौजूद मित्र कीट नष्ट हो जाते है। उन्होने किसानों से आह्वान किया कि कोई भी किसान खेतों में पराली न जलाए व इसके लिए दूसरे किसानों को भी जागरूक करें। खेतों में पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे सांस व फेफड़ों से संबंधित बीमारियां होती है। खेतों में आग लगाने से खेतों में छोटे-छोटे कणों से पीएम 2.5 का स्तर अत्यधिक बढ जाता है। इससे सिर दर्द व सांस लेने में तकलीफ होती है।



संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी जरूरी: डॉ. नीरज

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फूले राजकीय महिला महाविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस सप्ताह के अंतर्गत महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ, स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र तथा मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में आईएमए के चिकित्सकों ने छात्राओं को महिला स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। प्राचार्या डा. ज्योति यादव कहा कि महिलाओं का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसलिए प्रत्येक छात्रा को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए और किसी भी समस्या को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। आईएमए की अध्यक्ष डा. नीरज ने कहा कि मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखना, सेनिटरी उत्पादों का उचित उपयोग करना और संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतना बेहद जरूरी है। उन्होंने छात्राओं को मासिक धर्म से संबंधित भ्रांतियों से दूर रहने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डा. दीपक, निर्मल व मनीषा सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं गैर-शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेले के साथ तीन दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती उत्सव संपन्न

लकी ड्रॉ के जरिए बांटे आकर्षक उपहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अग्रवाल सभा की ओर से आयोजित अग्रवंशी शिरोमणि महाराजा अग्रसेन की जयंती का तीन दिवसीय समारोह, दीपावली मेला और लक्की ड्रा के साथ संपन्न हुआ।

महाराजा अग्रसेन जयंती चेयरमैन गिरीश सिंगला ने बताया कि 11 अक्टूबर रविवार की रात्रि में दीपावली मेला एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान लकी ड्रा भी आयोजित किया गया, जिसमें आकर्षक उपहार दिए गए। कार्यकम में सीए शाखा के अध्यक्ष नितिन गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनयशील गोयल पूर्व सचिव अग्रवाल सभा ने की, जबकि अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मनोनीत नगर पार्षद एवं अग्रवाल सभा के पूर्व सचिव दीपक अग्रवाल पाल्हावासिया रहे।



रेवाड़ी। प्रथम व द्वितीय विजेता को बाइक और स्कूटी की चाबी भेंट करते सभा के सदस्य।

मुकेश कुमार ने बाइक जीती

प्रथम उपहार मोटरसाइकिल विजेता मुकेश कुमार, द्वितीय उपहार में इलेक्ट्रिक स्कूटी विजेता मुरारी लाल अग्रवाल, तृतीय उपहार में एलईडी 32 इंची, चौथे उपहार में रेफ्रिजरेटर विजेता दयानिधि व पांचवें उपहार में वाशिंग मशीन दी गई। इसके अलावा 10 सांत्वना पुरस्कार भी वितरित किए गए। अग्रवाल सभा के प्रधान रिपुदमन गुप्ता, उपप्रधान एडवोकेट राकेश गुप्ता, महासचिव राजीव अग्रवाल, सह सचिव संदीप गोयल, कोषाध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल भालखी वाले ने अतिथियों का पटका व मोतियों की माला पहनाकर सम्मान किया।

यादव कल्याण सभा के स्वास्थ्य शिविर में 117 मरीजों को जांचा

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व बैठक का आयोजन किया गया। शिविर में 117 मरीजों को चिकित्सा सेवा प्रदान की गई। शिविर में अनुभवी डॉक्टरों ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, नेत्र रोग, चर्म रोग व स्त्री रोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। राजेश यादव व पवन कुमार ने दवाईयां वितरित की। शिविर के सभा कार्यकारिणी की बैठक प्रधान रामबीर यादव की अध्यक्षता आयोजित की गई। मीटिंग में वार्षिक उत्सव व प्रतिभा प्रोत्साहन सम्मान समारोह पर चर्चा की गई। समारोह की तैयारी को लेकर कार्यकारिणी सदस्यों से सुझाव लिए गए तथा विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया। प्रधान ने बताया कि आगामी रविवार की मीटिंग में सभी कमेटियों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। बैठक में जसवंत सिंह यादव, डा. एल एस यादव, प्रो आर एस यादव, कमांडेंट आर के यादव, डा. आर के यादव, प्रो. सतीश यादव, डा. आई एस खैरवाल, मनोज यादव, पी एस यादव, दलीप सिंह, सुरेन्द्र सिंह, रायसिंह, जगत सिंह, कर्ण सिंह, दुलीचंद, रामअवतार, विजय पाल, अनिल कुमार, समय सिंह, राम सिंह, गोकल राम, कृष्ण लाल व बिक्रम मौजूद थे।



पुलिस ने ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 1281 चालकों के काटे चालान

रेवाड़ी। जिला पुलिस की ओर से गत 5 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक ड्रिंक एंड ड्राइव, वाहन में तेज डीजे-प्रेशर हॉर्न बजाने, लेन चेंज नियमों की अवहेलना करने व बुलेट बाइक में पटाखा छोड़ कर हवाबाजी करने वालों के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 1281 चालकों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वाले 8 वाहन चालकों के चालान किए। एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं, जिससे वह अपने आप को तो खतरे में डालते ही हैं साथ में सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक के लिए भी खतरा बन जाते है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है और यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 के तहत दंडनीय अपराध है। पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण करने वाले व बुलेट बाइब पटाखा छोड़ने वाले 14 वाहन चालकों पर शिकंजा कसा। वही लाल व नीली बत्ती लगाने पर 1 व लेन चेंज से सम्बंधित नियम की अवहेलना पर 1258 वाहन चालकों के चालान किए गए।



गांव धामलावास की रहने वाली डा. सुधा को मोदी के विशेष आग्रह पर महेंद्रगढ़ से टिकट थमाई थी

इससे पूर्व बेटे सिद्धार्थ यादव को मिल चुकी संगठन में बड़ी जिम्मेदारी

डा. सुधा यादव को मिला समर्पण का इनाम भाजपा ने बनाया कर्नाटक का राज्यपाल

- कारगिल शहीद की पत्नी ने 1999 में राव इंद्रजीत सिंह को हराकर संसद में किया था पदार्पण

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

कारगिल युद्ध में पति डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह की शहादत के बाद वर्ष 1999 के लोकसभा चुनावों में महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र से अहीरवाल के दिग्गज नेता राव इंद्रजीत सिंह को लगभग 1.39 लाख मतों से हराकर राजनीति के मैदान और देश की संसद में पहुंचने वाली डा. सुधा यादव को भाजपा ने एक बार फिर संगठन के प्रति समर्पण का ईनाम दिया है। हाल ही में बेटे सिद्धार्थ यादव को भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मीडिया सह प्रभारी की जिम्मेदारी दिए जाने के बाद अब डा. सुधा यादव को कर्नाटक के राज्यपाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मूल रूप से जिले के गांव धामलावास की रहने वाली डा. सुधा यादव को तत्कालीन भाजपा प्रभारी रहे नरेंद्र मोदी के विशेष आग्रह पर राजनीति के मैदान में उतारते हुए महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से टिकट थमाई थी। अहीरवाल की राजनीति में एकछत्र राज कायम रखने वाले राव इंद्रजीत ने कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ा था। टिकट मिलने के बाद समूचे अहीरवाल क्षेत्र में उन्हें कमजोर प्रत्याशी मानते हुए राव की जीत को 'थाली में परोसी' मान लिया था। पहले ही चुनाव में डा. सुधा यादव ने राव को बड़ा झटका देते हुए देश की संसद में पदार्पण किया था। उसके बाद डा. सुधा यादव ने एक के बाद एक दो बार लोकसभा चुनाव लड़े और दोनों बार वह हार गए। पहले चुनाव में ही शिकस्त मिलने के बाद राव का डा. सुधा यादव के साथ राजनीतिक रूप से छत्तीस का आंकड़ा बन गया था, जो आज तक बरकरार है।



राव इंद्रजीत सिंह को लगभग 1.39 लाख मतों से हराकर राजनीति के मैदान और देश की संसद में पहुंचने वाली डा. सुधा

2015 में ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय प्रभारी बनीं

इस वरिष्ठ भाजपा नेत्री का संगठन के प्रति समर्पण कभी कम नहीं हुआ। यही कारण रहा कि उन्हें 3 जुलाई 2015 को भाजपा ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय प्रभारी बनाया गया। इसके बाद 17 अगस्त 2022 को लोकसभा चुनावों से पहले उन्हें भाजपा संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया। उन्हें संसदीय समिति का सदस्य भी बनाया गया था। अब उन्हें पार्टी के प्रति समर्पण का ईनाम देकर कर्नाटक का राज्यपाल बनाया गया है, जिससे समूचे अहीरवाल क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है।

बेटे को मीडिया सह प्रभारी का जिम्मा



पीएम मोदी की टीम में डा. सुधा यादव के बेटे सिद्धार्थ यादव को मीडिया सह प्रभारी का जिम्मा हाल ही में दिया गया है। अहीरवाल भाजपा में सिद्धार्थ यादव को यह पद मिलने के बाद एक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि वह साफ कर चुके हैं कि उनका मकसद किसी की लाइन काटना नहीं, बल्कि अपनी लाइन लंबी खींचना है।

अब तक 6690 गेट पास काटे, ई-खरीद पोर्टल पर 1.86 लाख क्विंटल से अधिक बाजरे की खरीद

अनाजमंडी ढाई लाख क्विंटल से अधिक बाजरा पहुंचा लिफ्टिंग धीमी, किसानों को 2450 तक मिले दाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी/कोसली

जिले की रेवाड़ी व कोसली की अनाजमंड़ियों में बाजरे की आवक लगातार बढ़ रही है। बाजरे की खरीद व्यपारियों की ओर से की जा रही है। अनाजमंडी में बाजरे कई अच्छी क्वालिटी की ढेरियां भी नजर आ रही है, जिससे किसानों को 2300 से 2450 प्रति क्विंटल तक दाम मिलने लगे है।

सरकार की ओर से इस बार बाजरे की एमएसपी 2900 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है, जिसमें 2300 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरा खरीद व 600 रुपये भावांतर भरपाई के दिए जाएंगे, जिसके लिए किसानों का मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के साथ ई-खरीद पोर्टल पर फसल का सत्यापन कराना अनिवार्य है। फसल सत्यापन वाले किसानों को ही भावांतर भरपाई का लाभ मिल पाएगा। रेवाड़ी अनाजमंडी में 11 दिनों में 227645 क्विंटल की आवक हो चुकी है। वही ई-खरीद पोर्टल पर 1.86 लाख क्विंटल बाजरे की खरीद की जा चुकी है। 11 दिनों में मंडी में 6690 गेटपास काटे जा चुके है।


रेवाड़ी। बाजरे की फसल से अटा अनाजमंडी को फड़।

सोमवार को इन गांवों के किसान बाजरा लेकर पहुंचे

सोमवार को नई अनाजमंडी के गेट से एक किलामीटर तक ट्रैक्टर-ट्रालियों की लंबी कतार लगी रही। किसान रविवार शाम 7 बजे ही अपनी फसल लेकर अनाजमंडी के बाहर पहुंच गए और सुबह तक ट्रैक्टरों की कतार लग गई। सोमवार को रेवाड़ी मंडी में गढ़ी, बोलनी, कापड़ीवास, जीतपुरा इस्तमुरार, खलियावास, निखरी, निखरी, रालियावास, चिल्हड, धनौरा, भूरथल ठेठर, भटसाना, जैतपुर शेखपुर, गोकलपुर कुंभावास, बुड़ाना, बुड़ानी, रामगढ़, तुर्कियावास और कंवाली गांवों के किसानों की फसल खरीदी गई। कोसली मंडी में गांव चांदावास, लीलोढ़, गुडियानी, मसीत, परखोतमपुर, मुसेपुर, कोलाना की ढाणी, लिसान व गोरिया के किसान फसल लेकर पहुंचे।

आज इन गांवों का रहेगा शेड्यूल

रेवाड़ी अनाजमंडी में 13 अक्टूबर को लोधाना, पिथनावास, हांसाका, मसानी, फदनी, फिदेडी, ततारपुर खालसा, अलावलपुर धारूहेड़ा, गोपालपुर उर्फ प्राणपुरा, बासदूढा, ऊंचा, कोलाना, नांगल जमापुर, मंढोला और खंडोडा गांवों के किसानों के लिए शेड्यूल रहेगा।वही कोसली मंडी में गांव सुधराना, बहोतवास मौन्द्धु, चौकी नंबर-2, कुमरोधा, लुहाना, सीहा, कंवाली, नांगल जमालपुर व बुड़ौली के किसान अपनी फसल बेच सकते हैं।

सोमवार को मंडी में 790 गेटपास काटे

सोमवार शाम तक रेवाड़ी अनाजमंडी में ई-खरीद पोर्टल पर 790 गेटपास काटे गए, जबकि व्यापारियों की ओर से 23000 क्विंटल बाजरे की खरीद की गई। मंडी में बाजरा लेकर आने वाले किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉली की जियो फेंसिंग करके वीडियो अपलोड की जा रही है। जियो फेसिंग के बाद ही मेरी फसल पोर्टल पर भी फसल सत्यापन होने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को मंडी में प्रवेश दिया जा रहा है।

मंडी में उठान चल रहा धीमा

नई अनाजमंडी में मुख्य गेट के पास से बार-बार जाम की स्थिति बन रही है। वहीं मंडी के फड से खरीदी गई सफल का उठान काफी धीमा चल रहा है, जिससे सड़क पर भी फसल की ढेरियां बननी शुरू हो गई है। सड़क पर बाजरे की ढेरियां बनने व अव्यवस्थित ढंग से ट्रैक्टर व अन्य वाहनों के खड़े होने से जाम लग रहा है। सबसे ज्यादा अव्यवस्था पहले फड के पास ही फैल रही है।


रेवाड़ी। अनाजमंडी के पहले फड़ के पास लगा जाम।


रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

ट्रक से तांबा गायब करने में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सीआईए धारूहेड़ा ने बावल से तमिलनाडु जा रहे करीब 3.86 करोड़ रुपये मूल्य के कॉपर से भरा ट्रक गायब होने के मामले में एक और आरोपी किया गिरफ्तार। एक आरोपी को पुलिस पहले गिरफ्तार कर चुकी है। उसे पूछताछ करने के लिए कोर्ट से 5 दिन के रिमांड पर लिया गया है। बावल की एक कंपनी के डायरेक्टर राहुल अरोड़ा ने पुलिस शिकायत में बताया था कि गत 16 सितंबर की रात उनकी कंपनी से 24780 किलोग्राम कॉपर जिसकी कीमत 38626568 रुपये थी, अग्रवाल ट्रांसपोर्ट कंपनी के माध्यम से एक ट्रक में लोड करके तमिलनाडू के लिए भेजा गया था। जब खेप तय समय पर गंतव्य तक नहीं पहुंची, तो कंपनी प्रबंधन ने ट्रांसपोर्टर, वाहन मालिक और चालक से संपर्क किया। पहले तो उन्हें गुमराह करने वाले जवाब दिए गए, लेकिन बाद में माल चोरी होने की बात कही गई। शिकायत के आधार पर कसोला थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए पूर्व में गत 26 सितम्बर को मध्य प्रदेश के जिला ग्वालियर के थाना मोहना क्षेत्र से वारदात में प्रयुक्त किए गए खाली ट्रक को लावारिस हालत में बरामद कर लिया था।

तलवार दिखाकर मारपीट व बाइक छीनने के दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे



रेवाड़ी। सीआईए और थाना सदर पुलिस की संयुक्त टीम ने 23 सितंबर की रात एक हलवाई से तलवार दिखाकर मारपीट करने और बाइक छीनने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से बाइक बरामद होने के बाद पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश करते हुए जेल भेज दिया। एएसपी दीपिका अग्रवाल ने बताया कि मूल रूप से यूपी के जिला आगरा के मोतीपुरा निवासी रमाकान्त ने पुलिस शिकायत में बताया था कि वह गांव तुर्कियावास में रहकर हलवाई का काम करता है।


रेवाड़ी। छात्रा को सम्मानित करते स्कूल संचालक। फोटो : हरिभूमि

दौड़ में विजेता छात्रा को किया सम्मानित

रेवाड़ी। एसजीएफआई की ओर से आयोजित लड़कियों की विभिन्न आयु वर्ग की एथलेटिक्स प्रतियोगिता गांव कृष्ण नगर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में राव निहाल सिंह पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने अपना परचम लहराया। कक्षा 5वीं की छात्रा इशिका गांव बालधन खुर्द ने अंडर-11 वर्ग में 400 मीटर दौड़ में दूसरा और 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और माता पिता का नाम रोशन किया। विद्यालय के अध्यक्ष राय सिंह यादव व प्राचार्या सरिता यादव सहित शिक्षकों ने खिलाड़ी को सम्मानित किया।

हजरस ने किया स्टेट अवार्डी एवं मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हजरस की ओर से अंबेडकर भवन में स्टेट अवार्डी शिक्षकों एवं मेधावी विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता जिला प्रधान सुमेर सिंह ने की तथा मुख्य अतिथि के तौर पर एडवोकेट राजकुमार जलवा रिटायर्ड बीईओ उपस्थित रहे। मंच संचालन राज्य प्रचार सचिव राजपाल दहिया ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्टेट अवार्डी शिक्षक राजकुमार श्योराज माजरा व रितेश मेहरा का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया तथा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इसके अलावा सचिव दयाराम मोरवाल, बिजेन्द्र दुल्हेड़ा, रमेश सिंघल, रामनिवास गोठवाल, सिकंदर, बलराज मोदीपुर, विक्रम सिंह, भूप सिंह, रणबीर शास्त्री, हरीश मोदीपुर व यशपाल सुलखा उपस्थित रहे।


रेवाड़ी। कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जमीन पर कब्जा करने का प्रयास, मारपीट व अभद्र व्यवहार में सरपंच व बेटों पर केस दर्ज

कोसली। शाहदत नगर में एक व्यक्ति की जमीन पर कब्जा करने और उसकी भाभी के साथ मारपीट व अभद्र व्यवहार करने के आरोप में थाना कोसली पुलिस ने सरपंच व उसके बेटों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस शिकायत में श्याम यादव ने बताया कि उसकी गांव में पैतृक जमीन है। साझे की जमीन पर समझौते के अनुसार उसका परिवार खेती करता आ रहा है। सरपंच प्रहलाद ने साझे की जमीन में से उसकी चचेरी बहनों के हिस्से वाली जमीन खरीदकर अपनी पत्नी के नाम करा ली। उसने आरोप लगाया कि प्रहलाद, उसके बेटे संजय व सतबीर अब उनकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। वह गत 9 अक्टूबर को जमीन पर कब्जा करने के लिए ट्रैक्टर लेकर गए थे। वहां उसकी भाभी मुकेश ने विरोध किया, तो इन लोगों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया।

न्यूज डायरी



पेंटिंग प्रतियोगिता में विजेता कनक का हुआ सम्मान

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल की आठवीं कक्षा की छात्रा कनक ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्कूल का नाम रोशन किया है। यह प्रथम ग्रुप प्रतियोगिता 9 अक्टूबर को पानीपत में आर्य पी जी कॉलेज में आयोजित की गई थी। छात्रा कनक ने अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। स्कूल की प्रधानाचार्या पिंकी तंवर ने कनक को सम्मानित किया। इस मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक मौजूद थे।



11 विद्यार्थियों ने एनडीए परीक्षा में लहराया परचम

रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने एनडीए की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय एवं अभिभावकों का नाम गौरवान्वित किया है। लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों में अंश, दिव्यम, पुनीत, ऋषभ, श्रुति, तनिष, टोपीश, वैभव, यशस्वी, ऋतुराज और शुभम शामिल हैं। विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे उनकी मेहनत, लगन, अनुशासन और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विद्यालय के चेयरमैन राजेंद्र सैनी तथा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स नवीन सैनी, जितेंद्र सैनी व हेमंत सैनी ने परीक्षा में सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षक टीम को बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए राष्ट्र सेवा के अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बिसोहा के रितिक का एमबीबीएस में चयन

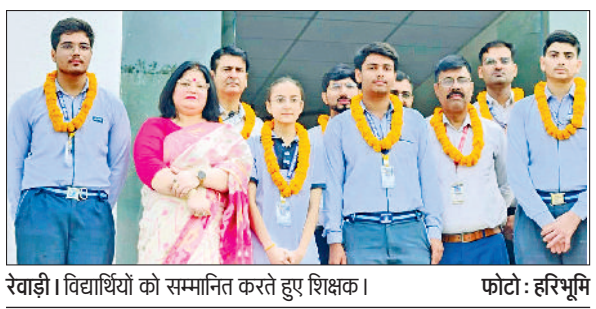


कोसली। कोसली के गांव बिसोहा निवासी रितिक ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस में चयनित होकर अपने परिजनों व गांव को गौरवान्वित किया है। रितिक के पिता दिलीप सिंह सीआरपीएफ में कार्यरत हैं। दादा रंगराव ने बताया कि रितिक ने दस जमा दो महेंद्रगढ के निजी विद्यालय से की तथा उसके बाद सीकर एक वर्ष की कोचिंग लेने के बाद नीट की परीक्षा पास कर एमबीबीएस में दाखिला पाया। रितिक का सपना डॉक्टर बनकर मानवता की सेवा करना था। अब वह तेलंगाना के नालगोंडा में राजकीय मेडिकल कॉलेज से चिकित्सक की शिक्षा पूरी कर अपना स्वप्न पूरा कर सकेगा।

आरपीएस के चार विद्यार्थियों ने एनडीए परीक्षा में पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

आरपीएस स्कूल कोसली के चार विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की लिखित परीक्षा में सफलता हासिल कर विद्यालय, अपने माता-पिता एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। छात्रा शगुन कौशिक गांव मुरलीपुर, मोहित गांव गोरिया, लक्ष्य गांव भाकली व गौरव मान गांव बिठला ने एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण की है। विद्यालय के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव, निदेशक हंसराज यादव व प्राचार्या रेनू गुलिया सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत, लगन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के अध्यक्ष ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, सही मार्गदर्शन और आत्मविश्वास के बल पर विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। निदेशक हंसराज यादव ने कहा कि एनडीए जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता विद्यार्थियों की मेहनत एवं विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को दशार्ती है।


रेवाड़ी। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

चिमनावास पहाड़ी के बाबा झोपड़ी वाले धाम में 15 को होगा धार्मिक कार्यक्रम

रेवाड़ी। चिमनावास पहाड़ी स्थित बाबा झोपड़ी वाले धाम में 15 अक्टूबर को सुबह 9:15 बजे हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन सूरत गिरी महाराज की तपस्या और भक्ति से जुड़े धाम में बाबा धर्मगिरी महाराज खोरी वाले की देखरेख में संपन्न होगा। आयोजन का उद्देश्य सभी भक्तों एवं सेवकों के कल्याण, उन्नति, सुख-समृद्धि और आपसी प्रेम, विश्वास तथा भाईचारे को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर भोले बाबा एवं बैरागी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन और अन्य धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। भोले बाबा ने कहा कि धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।


रेवाड़ी। कोसली मठ व दड़ौली आश्रम के भ्रमण के दौरान मौजूद छात्राएं।

रीजनल सेंटर की छात्राओं ने मुक्तेश्वर पुरी मठ व दड़ौली आश्रम का किया भ्रमण

कोसली। कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर की बीए पांचवें सेमेस्टर की अंग्रेजी माइनर की छात्राओं को प्रेक्टिकल विषय के अंतर्गत ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों कोसली के बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ व दड़ौली आश्रम का भ्रमण कराया गया। छात्राओं ने वहां के महंतों, पुजारियों, सेवादारों तथा स्थानीय ग्रामीणों से साक्षात्कार कर जानकारी एकत्रित की और यह जानने का प्रयास किया कि किस प्रकार ये धार्मिक स्थल सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने में भूमिका निभा रहे हैं। छात्राओं के साथ डा. रीनू यादव, विपुल यादव, मधु बाला व निर्मला मौजूद रहे।

दूसरे राउंड की सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी परीक्षा कल, 4058 बच्चे होंगे शामिल



रेवाड़ी। जिला पुलिस की ओर से यातायात को लेकर 14 अक्टूबर को दूसरे राउंड की खंड स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी परीक्षा कराई जाएगी। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि जिला पुलिस ने परीक्षा के दूसरे राउंड के आयोजन कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। पहले राउंड की परीक्षा चार ग्रुप बनाए गए थे। पहले ग्रुप में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थी, दूसरे ग्रुप में कक्षा 6 से 8, तीसरे ग्रुप में कक्षा 9वी से 12वी व चौथे ग्रुप में कॉलेज के बच्चों ने भाग लिया था। पहले राउंड की परीक्षा में सरकारी व गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों के करीब 1 लाख 63 हजार 546 बच्चों ने भाग लिया था, जिसमें से 4058 बच्चों ने परीक्षा उत्तीर्ण की थी, जोकि वह अब दूसरे राउंड की परीक्षा में भाग लेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

जब एक बेटी मजबूत होती है, तो परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त होता है

बेटियां शक्ति, साहस, ज्ञान व आत्मविश्वास की प्रतीक: डा. सचदेवा

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

नवरात्र के पावन अवसर और अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मसानी में नारी शक्ति के सम्मान की एक अनूठी मिसाल पेश की गई। दुर्गा मंदिर बारहाजारी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी डा. राजेन्द्र शर्मा ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली 9. प्रतिभाशाली बालिकाओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना तथा उनकी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्या डा. नम्रता सचदेवा ने कहा कि बेटियां मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की तरह शक्ति, साहस, ज्ञान और आत्मविश्वास की प्रतीक हैं। नवरात्र और अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का यह संगम हमें बेटियों की क्षमताओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि जब एक बेटी सशक्त होती है, तो परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त होता है।


रेवाड़ी। छात्राओं को सम्मानित करते डीईओ व शिक्षकगण। फोटो : हरिभूमि

बेटियां समाज की वास्तविक शक्ति

जिला शिक्षा अधिकारी डा. शर्मा ने कहा कि बेटियां समाज की वास्तविक शक्ति हैं। उनकी प्रतिभा को पहचानना, प्रोत्साहित करना और शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस प्रकार के आयोजन बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ समाज में लैंगिक समानता और सकारात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को उचित अवसर और प्रोत्साहन देकर ही एक शिक्षित, सशक्त एवं प्रगतिशील समाज का निर्माण किया जा सकता है।